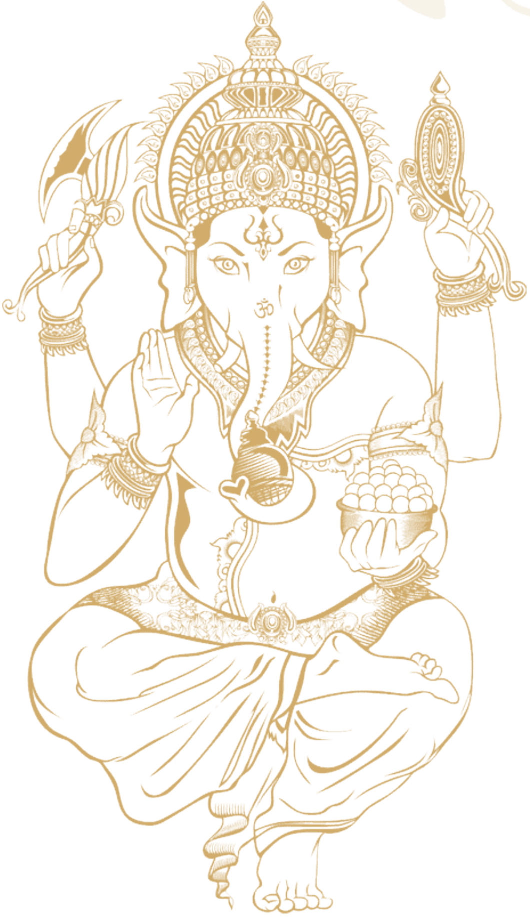

Abhinav ji

31 Aug 1990

06:33 AM

Pratapgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121126604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/08/1990**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**06:33:00 घंटे**
इष्ट	02:08:48 घटी
स्थान	**Pratapgarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:52:00 उत्तर
रेखांश	82:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:31:08 घंटे
वेलान्तर	-00:00:27 घंटे
साम्पातिक काल	05:06:57 घंटे
सूर्योदय	05:41:28 घंटे
सूर्यास्त	18:22:38 घंटे
दिनमान	12:41:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	13:39:34 सिंह
लग्न के अंश	24:20:33 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	आयुष्मान
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भू-भूपेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	24:20:33	323:55:41	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			सिंह	13:39:34	00:58:01	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	13:39:50	12:09:31	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृष	06:02:55	00:30:02	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	सिंह	28:21:54	00:32:35	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			कर्क	08:54:41	00:12:07	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र			कर्क	27:15:42	01:13:52	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	25:24:19	00:02:11	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
राहु			मक	13:15:51	00:01:43	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु			कर्क	13:15:51	00:01:43	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	11:57:37	00:00:44	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप	व		धनु	18:13:02	00:00:44	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो			तुला	21:36:12	00:01:12	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			वृष	24:04:12	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:50

लग्न-चलित

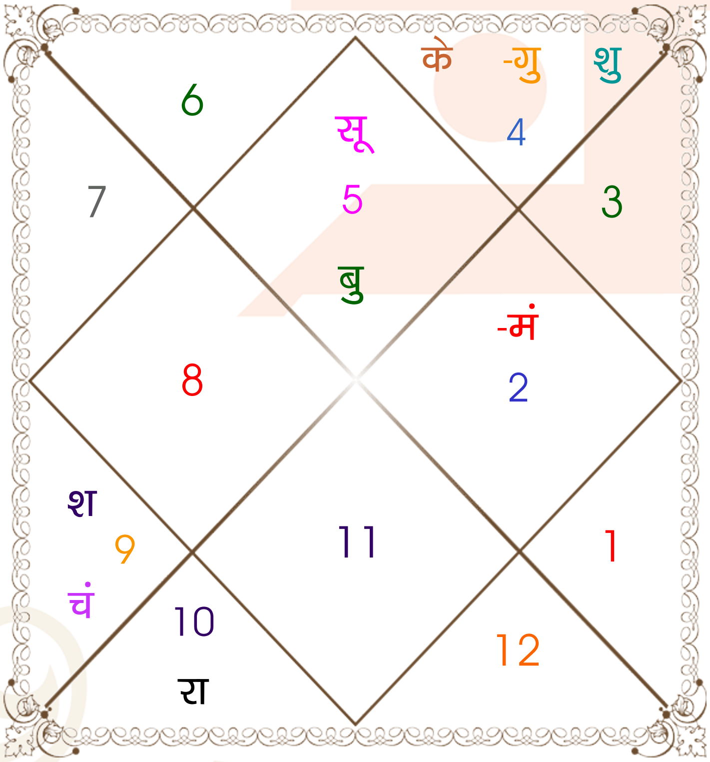

चन्द्र कुंडली

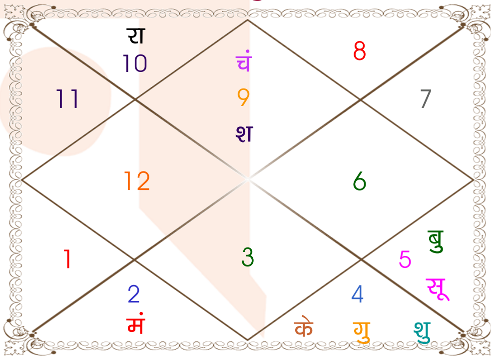

नवमांश कुंडली

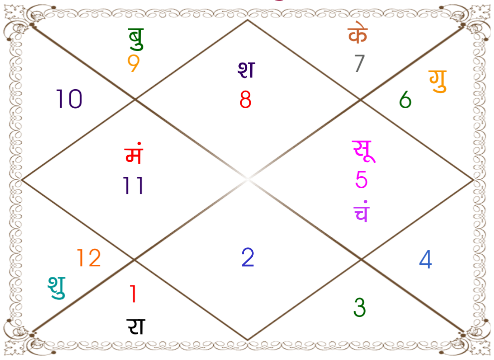

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 19 वर्ष 6 मास 1 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
31/08/1990	03/03/2010	02/03/2016	03/03/2026	02/03/2033
03/03/2010	02/03/2016	03/03/2026	02/03/2033	03/03/2051
शुक्र 02/07/1993	सूर्य 20/06/2010	चंद्र 01/01/2017	मंगल 30/07/2026	राहु 14/11/2035
सूर्य 02/07/1994	चंद्र 20/12/2010	मंगल 02/08/2017	राहु 17/08/2027	गुरु 08/04/2038
चंद्र 02/03/1996	मंगल 27/04/2011	राहु 01/02/2019	गुरु 23/07/2028	शनि 12/02/2041
मंगल 02/05/1997	राहु 20/03/2012	गुरु 02/06/2020	शनि 01/09/2029	बुध 02/09/2043
राहु 02/05/2000	गुरु 07/01/2013	शनि 01/01/2022	बुध 29/08/2030	केतु 19/09/2044
गुरु 01/01/2003	शनि 20/12/2013	बुध 02/06/2023	केतु 25/01/2031	शुक्र 20/09/2047
शनि 03/03/2006	बुध 26/10/2014	केतु 01/01/2024	शुक्र 27/03/2032	सूर्य 14/08/2048
बुध 01/01/2009	केतु 03/03/2015	शुक्र 01/09/2025	सूर्य 01/08/2032	चंद्र 12/02/2050
केतु 03/03/2010	शुक्र 02/03/2016	सूर्य 03/03/2026	चंद्र 02/03/2033	मंगल 03/03/2051

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
03/03/2051	03/03/2067	03/03/2086	04/03/2103	04/03/2110
03/03/2067	03/03/2086	04/03/2103	04/03/2110	00/00/0000
गुरु 20/04/2053	शनि 06/03/2070	बुध 29/07/2088	केतु 31/07/2103	शुक्र 01/09/2110
शनि 01/11/2055	बुध 13/11/2072	केतु 27/07/2089	शुक्र 29/09/2104	00/00/0000
बुध 06/02/2058	केतु 23/12/2073	शुक्र 26/05/2092	सूर्य 04/02/2105	00/00/0000
केतु 13/01/2059	शुक्र 21/02/2077	सूर्य 02/04/2093	चंद्र 05/09/2105	00/00/0000
शुक्र 13/09/2061	सूर्य 03/02/2078	चंद्र 01/09/2094	मंगल 01/02/2106	00/00/0000
सूर्य 02/07/2062	चंद्र 05/09/2079	मंगल 30/08/2095	राहु 20/02/2107	00/00/0000
चंद्र 01/11/2063	मंगल 13/10/2080	राहु 18/03/2098	गुरु 27/01/2108	00/00/0000
मंगल 07/10/2064	राहु 20/08/2083	गुरु 24/06/2100	शनि 07/03/2109	00/00/0000
राहु 03/03/2067	गुरु 03/03/2086	शनि 04/03/2103	बुध 04/03/2110	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 19 वर्ष 5 मा 30 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरुष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरु दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।